an>

Title: Regarding dangerous movements in Arabian sea near Sindhudurg district of Maharashtra.

श्री विनायक भाऊराव राऊत (रत्नागिरी-सिंधुदुर्ग) : माननीय अध्यक्ष महोदया, महाराष्ट्र के सिन्धुदुर्ग जिले में जो समुद्र है और उसमें पिछले कई दिनों से जो परिस्थिति निर्माण हुई है, उसके बारे में मैं शून्यकाल में सरकार का ध्यान आकर्षित करना चाहता हूँ।

पिछले कई दिनों से सिन्धुदुर्ग से विजयदुर्ग तक जो समुद्र है, उसमें एक बहुत बड़ी आवाज आती है। इसके साथ ही, इतनी तेज गति से लहरें उठती हैं कि उसके कारण रेत का एक पहाड़ जैसा आकार खड़ा हो जाता है। कई जगहों पर जमीनें नीचे चली जाती हैं। समुद्र की लहरों में इसका परिमाण इस प्रकार बढ़ा है कि उसके कारण सारे मछुआरे और समुद्र तटीय गांवों में हलचल मची है। मैंने वहाँ स्वयं जाकर देखा है। जून-जुलाई में जो परिस्थिति होती है, वह इस महीने ही हो गयी है, इस साल यह जल्दी हो गयी है। यह एक साधारण परिस्थिति नहीं है। यह एक गंभीर स्थिति है। मैंने वहाँ के जिला प्रशासन से भी विनती की है। इसके साथ ही, मैं आपके माध्यम से केन्द्र सरकार से भी विनती करना चाहता हूँ कि ओशेनोग्राफी डिपार्टमेंट के द्वारा इस स्थिति का अध्ययन कराया जाए। साथ ही, मैं सरकार से यह भी विनती करना चाहता हूँ कि यह जो परिसर है, जहाँ जैतापुर का अणु-ऊर्जा प्रकल्प होने वाला है, जैसे कि अणु-ऊर्जा प्रकल्प के बारे में आज ही प्रश्न आया था कि काकरापाड़ा में क्या परिस्थिति बनी। जैतापुर और विजयदुर्ग एक नजदीक का परिसर है। जब तक इस स्थिति का आकलन नहीं होगा, जब तक इस परिस्थिति का सही कारण मालूम नहीं होगा, तब तक जैतापुर के अणु-ऊर्जा प्रकल्प के ऊपर रोक लगाने की विनती करना चाहता हूँ। ओशेनोग्राफी डिपार्टमेंट के माध्यम से जल्दी से जल्दी इसके कारणों की जाँच की जाए और क्या इससे लोगों को भी कुछ खतरा है, इसे सरकार को स्पष्ट करना चाहिए।

माननीय अध्यक्ष : सर्व

श्री अरविन्द सावंत, श्रीरंग आप्पा बारणे, गजानन कीर्तिकर, चन्द्र प्रकाश जोशी, सुधीर गुप्ता और रेडमल नागर को श्री विनायक भाऊराव राऊत द्वारा उठाये गये विषय से संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।

श्री एम. वेंकटेश्वर राव - उपस्थित नहीं।